59वीं वार्षिक रिपोर्ट

59th Annual Report 2015-2016

भारतीय जीवन बीमा निगम

LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

Zindagi ke saath bhi, Zindagi ke baad bhi.

CURRENT MEMBERS OF THE CORPORATION

श्री एस. के. रॉय, अध्यक्ष
Shri S. K. Roy, Chairman

श्री शक्तिकांत दास
Shri Shaktikanta Das

श्री गिरीश चन्द्र मुर्मू
Shri Girish Chandra Murmu

श्री वी. के. शर्मा
Shri V. K. Sharma

श्रीमती ऊषा सांगवान
Smt. Usha Sangwan

श्री अश्वनी कुमार
Shri Ashwani Kumar

श्रीमती एलिस जी. वैदयन
Smt. Alice G. Vaidyan

श्री संजय क्लापूर
Shri Sanjay Kallapur

भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

नागरिक घोषणा-पत्र

हमारा कल्पना दर्शन

अंतर्राष्ट्रीय स्तर की एक प्रतिस्पर्धी, विशाल वित्तीय समूह, जो विभिन्न समाजों के लिए महत्वपूर्ण हो एवं भारत का गौरव हो।

हमारा लक्ष्य

आकांक्षा के अनुरूप उत्पाद एवं सेवाओं के माध्यम से समुचित लाभ के साथ वित्तीय सुरक्षा प्रदान कर सभी के जीवन स्तर को निरापद रखना एवं उन्नत करना तथा आर्थिक विकास के लिए संसाधन सुनिश्चित करना।

हमारे मूल्य
अभिरक्षण एवं शिष्टाचार
अभिक्रम एवं नवीनता
सत्यनिष्ठा एवं पारदर्शिता
गुणवत्ता एवं लाभ
सहभागिता एवं संबंध
विश्वसनीयता एवं भरोसा

हमारी संस्कृति
दक्षता
अनुकूलता
सहयोग
प्रतिबद्धता
अनुशासन
अधिकृत करना
संवेदनशीलता
उत्कृष्ठता

CITIZENS' CHARTER

OUR VISION

To transform ourselves into a transnationally competitive financial conglomerate of significance to societies and the Pride of India.

OUR MISSION

To ensure and enhance the quality of life of people through financial security by providing products and services of aspired attributes with competitive returns and by rendering resources for economic development.

OUR VALUES
Caring and courtesy
Initiatives and Innovation
Integrity and Transparency
Quality and Returns
Participation and Relationship
Trustworthiness and Reliability

OUR CULTURE
Agility
Adaptability
Collaboration
Commitment
Discipline
Empowerment
Sensitivity
Excellence

विषय सूची

		पृष्ठ
(1)	**आमुख**	7
(2)	**निगम एवं समितियों के सदस्य, निगम के वरिष्ठ प्रशासक, मुख्य बीमांकक एवं क्षेत्रीय सलाहकार बोर्ड एवं बीमाधारक परिषद के सदस्य**	7
(3)	**आर्थिक परिवेश और जीवन बीमा व्यवसाय पर समष्टि आर्थिक परिवेश का प्रभाव**	7
(4)	**कार्य परिणाम :**	10
	I) **नव व्यवसाय :** व्यक्तिगत बीमा, सामान्य वार्षिकी, पेंशन, नॉन लिंक हेल्थ, यूनिट लिंक व्यवसाय, समूह बीमा व्यवसाय, सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, प्रथम बीमा, ग्रामीण बीमा	
	II) **विभिन्न क्षेत्रों में चालू व्यवसाय :** व्यक्तिगत बीमा, सामान्य वार्षिकी, पेंशन, नॉन लिंक हेल्थ, यूनिट लिंक व्यवसाय, समूह बीमा व्यवसाय	
(5)	**पूंजी मोचन तथा निश्चित वार्षिकी व्यवसाय**	11
(6)	**पॉलिसियों के सांविधिक विवरण**	11
(7)	**संगठनजन्य ढांचा**	12
(8)	**जीवन निधि, अधिशेष तथा प्रदत्त कर**	12
(9)	**सामाजिक क्षेत्र :** समूह बीमा योजनएं एवं अन्य सामाजिक सुरक्षा, सामाजिक क्षेत्र में निवेश एवं स्वर्णजयंति फाऊंडेशन	12
(10)	**विपणन गतिविधियां :** विभिन्न चैनलों द्वारा किया गया नव व्यवसाय, उत्पाद विकास, बैंकेश्योरेन्स एवं वैकल्पिक चैनल्स, सूक्ष्म बीमा, स्वास्थ्य बीमा और प्रत्यक्ष विपणन	13
(11)	**अभिकर्ता :** अभिकर्ताओं की संख्या, अभिकर्ता क्लब सदस्यता, वृत्तिक अभिकर्ताओं की योजना, मुख्य जीवन बीमा सलाहकार एवं प्राधिकृत अभिकर्ता	15
(12)	**विदेश प्रचालन :** विदेशी शाखाएं, विदेशी संयुक्त उपकंपनियां एवं प्रतिनिधि कार्यालय	16
(13)	**ग्राहक संबंध प्रबन्धन :** दावों का निपटारा, वैकल्पिक जरियों से प्रीमियम भुगतान, ग्राहकों की शिकायत का निबटारा	17
(14)	**निगमित संप्रेषण**	20
(15)	**सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005**	20
(16)	**कार्मिक/कर्मचारी संबंध :** कर्मचारियों की संख्या, कर्मचारी संबंध, कर्मचारियों को आवासीय ऋण, महिलाओं का सशक्तिकरण, आरक्षण : राष्ट्रीय नीति कार्यान्वयन, अनुसूचित जाति/जनजातियों एवं अन्य पिछडे वर्गों के लिए आरक्षण, शारीरिक रूप से विकलांगों के लिए आरक्षण, भूतपूर्व सैनिक कर्मचारियों के लिए आरक्षण, खेलकूद : इन-हाऊस खेलकूद, अंतर-निगम खेलकूद, बाहरी	21
(17)	**मानव संसाधन विकास :** संगठन विकास/प्रशिक्षण	24
(18)	**प्रबंध विकास केन्द्र**	26
(19)	**राजभाषा कार्यान्वयन**	26
(20)	**अभियांत्रिकी कार्यकलाप**	26
(21)	**संपदा/सामरिक व्यवसाय इकाई - संपदा**	27
(22)	**सूचना प्रौद्योगिकी**	27
(23)	**आंतरिक अंकेक्षण**	28
(24)	**निरीक्षण**	29

(25) बीमालेखन एवं पुनर्बीमा 29

(26) सतर्कता 29

(27) नामित निदेशक 30

(28) जोखिम प्रबन्धन 30

(29) कार्पोरेट अभिशासन 30

(30) बोर्ड की बैठकें 30

(31) केन्द्रीय प्रबंधन समिति 30

(32) क्षेत्रीय सलाहकार बोर्ड 31

(33) पॉलिसी धारक परिषद 31

(34) जीवन बीमा निगम अधिनियम के अंतर्गत निर्देश 31

(35) लेखा परीक्षक 31

(36) वित्तीय वर्ष 2015-2016 के लिए योजना 31

(37) विविध गतिविधियां : एल.आई.सी.हाऊसिंग फाईनान्स लिमिटेड, 31
एल.आई.सी. नोमुरा म्यूच्युअल फण्ड एसेट मैनेजमेंट कंपनी लि.,
एल.आई.सी. पेंशन फण्ड लिमिटेड, एलआईसी कार्ड सर्विसेस लिमिटेड

(38) आभार प्रदर्शन 34

- **परिणामों का सारांश** 35
- **सारणी** 39
- **परिशिष्ट - I** 52
  निगम के सदस्य एवं विभिन्न उपसमितियां,
  क्षेत्रीय सलाहकार बोर्ड एवं बीमाधारी परिषद के सदस्यगण
- **परिशिष्ट - II** 64
  सांविधिक (केन्द्रीय) लेखा परीक्षक
- **लेखा :** लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट 124
- **जीवन व्यवसाय :** 128
- **वित्तीय विवरण (खण्डीय)**
  - **तुलन-पत्र :** भारत एवं भारत के बाहर संबद्ध एवं असंबद्ध व्यवसाय से संबंधित 128
  - **भारत राजस्व लेखा :** भारत एवं भारत के बाहर संबद्ध एवं असंबद्ध व्यवसाय से संबंधित (सहभागी एवं गैरसहभागी) 130
  - **लाभ-हानि खाता :** भारत एवं भारत के बाहर संबद्ध एवं असंबद्ध व्यवसाय से संबंधित 134
  - अनुसूचियां जो वित्तीय विवरणों के अंगभूत हैं (अनुसूचियां 1 से 15 तक) 136
  - वित्तीय विवरणों का सारांश 204
  - अनुपात 206
  - प्राप्ति एवं भुगतान लेखा (नकद प्रवाह विवरण) 212
- **पूंजी मोचन (निर्धारित सहित) बीमा व्यवसाय :**
  - तुलन पत्र 214
  - राजस्व लेखा 216
  - लाभ हानि लेखा 218
  - अनुसूचियां जो वित्तीय विवरणों के अंगभूत हैं (अनुसूचियां 1 से 4,6,8 और 11 से 14 तक) 220
  - प्रबंधन रिपोर्ट 230

INDEX

		Page
1.	**PREAMBLE**	65
2.	**MEMBERS OF THE CORPORATION, VARIOUS COMMITTEES, SENIOR EXECUTIVES AND APPOINTED ACTUARY, MEMBERS OF ZONAL ADVISORY BOARD AND POLICYHOLDERS' COUNCIL**	65
3.	**ECONOMIC SCENARIO AND IMPACT OF MACRO ECONOMIC ENVIRONMENT ON LIFE INSURANCE BUSINESS**	65
4.	**WORKING RESULTS**	68
	I. New Business : Individual Assurance, General Annuities, Pensions, Non Linked Health, Unit Linked Business, Group Insurance Business, Social Security Schemes, First Insurance, Rural Thrust	
	II. Business in Force in Various Segments : Individual Assurance, General Annuities, Pensions, Non Linked Health, Unit Linked Business, Group Insurance Business	
5.	**CAPITAL REDEMPTION AND ANNUITY CERTAIN BUSINESS**	69
6.	**STATUTORY STATEMENTS REGARDING POLICIES**	69
7.	**ORGANISATIONAL SET UP**	69
8.	**LIFE FUND, SURPLUS AND TAXES PAID**	70
9.	**SOCIAL SECTOR** Group Schemes and Social Security, Investment in social sector and Golden Jubilee Foundation	70
10.	**MARKETING ACTIVITIES** New Business procured during 2014-15 Channel wise, Bancassurance & Alternate Channels, Direct Marketing, Health Insurance, Micro Insurance, Product Development, and SBA.	71
11.	**AGENTS** Agency Strength, Agent's Club Membership, Career Agents Scheme, Chief Life Insurance Advisor Scheme and Authorised Agents.	73
12.	**OVERSEAS OPERATIONS :** Foreign Branches, Foreign Joint Venture Companies and Foreign Wholly Owned Subsidiary	74
13.	**CUSTOMER RELATIONSHIP MANAGEMENT** Settlement of Claims, Alternate Channels of Premium Payments, Offline Payment Channels, Online Payment Channels and Customer's Grievances Redressal	75
14.	**CORPORATE COMMUNICATION**	77
15.	**RIGHT TO INFORMATION ACT, 2005**	78
16.	**PERSONNEL & EMPLOYEE RELATIONS** Staff Strength, Employee Relations, Empowerment of Women, Reservation and National Policy Implementation - Housing Loan to Agents, Office Services and Sports	79
17.	**HUMAN RESOURCES DEVELOPMENT / ORGANISATIONAL DEVELOPMENT INITIATIVES / TRAINING ACTIVITIES**	82
18.	**MANAGEMENT DEVELOPMENT CENTRE**	84
19.	**OFFICIAL LANGUAGE IMPLEMENTATION**	84
20.	**ENGINEERING ACTIVITIES**	84
21.	**STRATEGIC BUSINESS UNIT - ESTATES**	85
22.	**INFORMATION TECHNOLOGY**	85
23.	**INTERNAL AUDIT**	86
24.	**INSPECTION**	86

25. UNDERWRITING AND REINSURANCE 87

26. VIGILANCE 87

27. NOMINEE DIRECTORS 87

28. RISK MANAGEMENT 87

29. CORPORATE GOVERNANCE 88

30. BOARD MEETINGS 88

31. CENTRAL MANAGEMENT COMMITTEE 88

32. ZONAL ADVISORY BOARD (ZAB) 88

33. POLICYHOLDERS' COUNCIL (PHC) 88

34. DIRECTION UNDER LIC ACT 88

35. AUDITORS 88

36. BUSINESS PLANS FOR 2015-16 89

37. DIVERSIFIED ACTIVITIES 89
LIC Housing Finance Ltd.,
LIC Nomura Mutual Fund Asset Management Company Ltd.,
LIC Pension Fund Ltd. and LIC Cards Services Ltd.

38. ACKNOWLEDGMENT 91

- **SUMMARISED RESULTS** 93
- **TABLES** 97
- **APPENDIX - I** 110
  Members of the Corporation and various Committees,
  Members of Zonal Advisory Boards and Policyholders' Council.
- **APPENDIX - II** 122
  Statutory (Central) Auditors
- **ACCOUNTS :** Auditor's Report 125
- **LIFE BUSINESS** 128
- **Financial Statement (Segmental)**
  - **Balance Sheet :** Non Linked and Linked in respect of Business in India and Out of India. 128
  - **Revenue Account :** Non Linked and Linked in respect of Business in India and Out of India (Participating and Non Participating) 130
  - **Profit and Loss Account :** Non Linked and Linked in respect of Business in India and Out of India 134
  - Schedules forming a part of the Financial Statements (Schedule 1 to 15) 136
  - Summary of Financial Statements 204
  - Ratios 206
  - Receipt and Payment Account (Cash Flow Statement) 212
- **CAPITAL REDEMPTION (INCLUDING ANNUITY CERTAIN) INSURANCE BUSINESS**
  - Balance Sheet 214
  - Revenue Account 216
  - Profit & Loss Account 218
  - Schedules forming part of the Financial Statements (Schedules 1 to 4, 6, 8 & 11 to 13) 220
  - Management Report 231

1. आमुख

भारतीय जीवन बीमा निगम को 31.03.2016 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 की धारा 27 के अन्तर्गत अपनी 59वीं वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने में हर्ष हो रहा है ।

2. निगम एवं समितियों के सदस्य

निगम के सदस्यों तथा वर्ष के दौरान इसकी विभिन समितियों के सदस्यों के नाम, निगम के वरिष्ठ प्रशासक, नियुक्त बीमांकक, क्षेत्रीय सलाहकार बोर्ड एवं पालिसीधारक परिषद के नाम परिशिष्ट-I में हैं । (पृष्ठ संख्या 52 से 63 तक)

3. आर्थिक परिवेश और जीवन बीमा व्यवसाय पर समष्टि आर्थिक परिवेश का प्रभाव

भारतीय अर्थव्यवस्था ने वर्ष 2015-16 में बृहत आर्थिक स्थिरता पुनःस्थापित कराना जारी रखा। इस वर्ष के दौरान इसमें 7.6% की वृद्धि हुई जो विश्व में सर्वाधिक है। इस वर्ष के दौरान, मुद्रास्फीति, वित्तीय घाटा तथा चालू खाता घाटे में गिरावट आई है। इन तथ्यों के साथ-साथ वित्तीय समकेन के प्रति प्रतिबद्धता का महत्व बना रहा। भारत में आर्थिक वृद्धि संभलती नज़र आ रही है, हालाँकि विविध क्षेत्रों में इसकी गति भिन्न भिन्न है।

यह उपलब्धियां उल्लेखनीय हैं क्योंकि इन्हें विपरीत वैश्विक परिस्थितियों तथा लगातार दूसरी बार अपर्याप्त वर्षा के रहते संपन्न किया गया है। इस पृष्ठभूमि में, भारत स्थिरता का आश्रयस्थल तथा अवसरों का स्थल केंद्र बन गया है।

वृद्धि से संबंधित जिन तथ्यों के आने वाले वर्षों में अवलोकन की आवश्यकता है वे हैं - चीन में मंदी और पुनर्संतुलन, कच्चे तेल के मूल्यों में मजबूती, उभरते बाजारों एवं विकासशील अर्थव्यवस्था से पूंजी बहिर्प्रवाह, वैश्विक मांग आदि। एक अच्छे मानसून के महत्वपूर्ण संभावना ग्रामीण खपत में वृद्धि करेगी। चीन की वैश्विक व्यापार में महत्वपूर्ण भूमिका है। इसकी अर्थव्यवस्था में किसी भी प्रकार की मंदी एक नकारात्मक प्रभाव पैदा करेगी विशेषकर उभरते बाज़ारों और विकासशील देशों में।

विश्व बैंक के अनुसार, वर्ष 2016 और 2017 में भारत में वृद्धि क्रमशः 7.6% तथा 7.7% प्रक्षेपित की गई। परंतु आईएमएफ ने वर्ष 2016 और 2017 में भारत की इस वृद्धि को 7.5% प्रक्षेपित किया है। भारतीय रिज़र्व बैंक ने वर्ष 2016-17 में भारत का वृद्धि प्रक्षेपण 7.6% रखा है।

क) सकल घरेलू उत्पाद (जी.डी.पी.)

अनंतिम अनुमान के अनुसार वर्ष 2015-16 के दौरान अर्थव्यवस्था में 7.6% की वृद्धि हुई, जो की पिछले वित्तीय वर्ष में 7.2% थी। यह वृद्धि प्राथमिक तौर पर मैन्युफैक्चरिंग और कृषि क्षेत्रों द्वारा चालित है। मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्रों में पिछले वर्ष की 5.5% वृद्धि के तुलना में वर्ष 2015-16 में 9.3% वृद्धि दर्शायी है। कृषि, वानिकी एवं मत्स्यकी क्षेत्रों में पिछले वर्ष की नकारात्मक वृद्धि की तुलना में 1.2% वृद्धि हुई है। इस क्षेत्र के सकल मूल्य वर्धित (जीव्हीए) का लगभग 39% पशुधन उत्पाद, वानिकी, मत्स्यकी और मत्स्यपालन पर आधारित है जिसने लगभग 5% की संयुक्त वृद्धि दर्ज की है।

खनन एवं उत्खनन क्षेत्रों, विद्युत्, गैस, जल आपूर्ति तथा अन्य उपयोगिता सेवा क्षेत्रों, निर्माण क्षेत्र तथा व्यापार, होटल, परिवहन, संचार और सेवा क्षेत्रों ने पिछले वर्ष की तुलना में वृद्धि दर में गिरावट दर्शायी है।

औद्योगिक वृद्धि घटकर वित्तीय वर्ष 2016 में 2.4% हो गई जो की वित्तीय वर्ष 2015 में 2.8% थी। यह कमज़ोरी खास करके आधारभूत वस्तुओं (+ 6.9% से 3.5% तक), पूंजीगत वस्तुएं (6.3% से -2.9% तक) और उपभोक्ता गैर ड्यूरेबल्स (+ 2.8% से -1.7% तक) में दिखाई दी। इस के विपरीत, उपभोक्ता ड्यूरेबल्स (-12.6% से 11.2% तक) में और मध्यवर्ती वस्तुओं (1.7% से 2.5% तक) में सुधार दिखाई दिया।

व्यय पर, सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में निजी खपत में कोई बड़ा परिवर्तन नहीं आया है। यह पिछले वर्ष के 55.6% की तुलना में वित्तीय वर्ष 2016 में 55.5% है। हालांकि, सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में सरकारी खपत पिछले साल के 10.4% की तुलना में वित्तीय वर्ष 2016 में गिर कर 9.9% तक हो गई है। सकल नियत पूंजी निर्माण में भी पिछले वित्त वर्ष के सकल घरेलू उत्पाद के 32.3% से 31.2% तक की गिरावट आई है।

ख) सकल घरेलू बचत (जी.डी.एस)

बाजार मूल्य पर सकल घरेलू बचत का ब्यौरा जीडीपी के प्रतिशत के रुप में नीचे दिया गया है -

जीडीपी के प्रतिशत के रुप में क्षेत्रवार घरेलू बचत

वर्ष	घरेलू क्षेत्र (हाउसहोल्ड सेक्टर)			निजी कारपोरेट क्षेत्र	सार्वजनिक क्षेत्र	सकल घरेलू बचतें
	वित्तीय बचतें	भौतिक बचतें	कुल			
2014-15	7.7%	11.4%	19.1%	12.7%	1.2%	33.0%
2013-14	7.7%	13.3%	20.9%	10.8%	1.3%	33.0%

ग) राजकोषीय स्थिति

जीडीपी के प्रतिशत के रुप में राजकोषीय घाटे को नीचे दी गई सारणी में दर्शाया गया है -

वर्ष	केंद्र एवं राज्य (संयुक्त)	केवल केंद्र
2016-17 बज़ट अनुमान	अनुपलब्ध	3.5
2015-16 बज़ट अनुमान	6.5	3.9
2014-15 अनंतिम लेखा	6.6	4.0
2013-14	7.1	4.5
2012-13	6.9	4.9

31 जनवरी 2016 तक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर संग्रह में क्रमशः 33.7% और 10.90% की वृद्धि हूई है। ₹14.49 लाख करोड़ के निर्धारित लक्ष्य की तुलना में ₹10.66 लाख करोड़ की कर वसूली हूई है जोकि 73.5% है।

घ) मौद्रिक दशा

खुदरा मुद्रास्फीति में नरमी के कारण रिजर्व बैंक ने 2 जून 2015 को 25 आधार अंक और 29 सितम्बर, 2015 को 50 आधार अंक कम करके रेपो दर 7.50 से 6.75 पर लाई गई। बैंक दर भी दो बार कम करते हुए 8.50% से 7.00% तक कम कर दिया है। वित्तीय वर्ष में भारतीय रिजर्व बैंक ने नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) और सांविधिक तरलता अनुपात (एसएलआर) को छुआ तक नहीं था, जोकि क्रमशः 4% और 21.50% पर बने रहे।

च) मुद्रास्फीति

वर्ष 2015-16 में देश में सामान्य कीमत स्तर में नरमी जारी रही। खुदरा मुद्रास्फीति के रूप में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई)-संयुक्त 3.69% (जुलाई 2015 में) से 5.69% (जनवरी 2016 में) की सीमा में था। यह मौद्रिक नीति ढांचा अनुबंध के द्वारा निर्धारित 6% (जनवरी 2016 तक) के लक्ष्य से नीचे है।

हालांकि, वर्ष के दौरान थोक मूल्य सूचकांक में मापी जाने वाली मुद्रास्फीति साल भर नकारात्मक क्षेत्र में थी। यह -0.85% से -5.06% की सीमा में थी। वर्ष 2015-16 के लिए औसत मासिक थोक मूल्य सूचकांक -2.50% था, जो की प्राथमिक वस्तुओं में 0.31%, ईंधन और बिजली में -11.54% और विनिर्मित उत्पादों में -1.12% था।

छ) प्रतिभूति एवं ऋण बाजार

कॉल मनी दरों का मासिक भारित औसत, अप्रैल 2015 और मार्च 2016 के दौरान 2.50% से 16.0% की सीमा में था। वर्ष के दौरान, वर्ष 2014-15 के 7.97% की तुलना में भारित मासिक दरों का औसत 6.98% था।

31 मार्च 2016 में, एस एंड पी बीएसई सेंसेक्स 25,342 पर बंद हुआ जोकि 31 मार्च 2015 के समापन आंकड़े 27,957 के 9.35% नीचे है। वर्ष के दौरान, यह 22,952 से 29,044 की रेंज में था। 31 मार्च 2016 में, निफ्टी-50 7,738 पर बंद हुआ जोकि 31 मार्च 2015 के समापन आंकड़े 8,607 के 9.87% नीचे था। यह 6,971 से 8,834 की रेंज में था।

एस एंड पी बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी 50 का पी / ई अनुपात (मूल्य आय अनुपात) मार्च 2016 के अंत में एक साल पहले के 19.5 और 22.7 की तुलना में 16.9 और 18.9 था।

गैर सरकारी पब्लिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा जारी न्यू कैपिटल इशूज की संख्या में 64 से 87 की वृद्धि हूई है। इनके द्वारा जुटाई गई धनराशि में भी पिछले वित्त वर्ष की ₹ 9,789 करोड़ की तुलना में यह बढ़कर ₹ 24,054 करोड़ हो गई। इस वर्ष के दौरान, म्यूचुअल फंडों का शुद्ध निवेश ₹ 1,34,181 करोड़ था। इस वर्ष के दौरान, प्राथमिक बाजार द्वारा जुटाए गए कुल संसाधन (इक्विटी + ऋण) ₹ 4,80,643 करोड़ से बढकर ₹ 5,82,364 करोड़ हो गए है।

ज) वैश्विक परिदृश्य

आईएमएफ रिपोर्ट 'वर्ल्ड इकोनोमिक आऊटलूक' (डब्ल्यू ई ओ) के अनुसार वर्ष 2015 में वैश्विक वृद्धि 3.1% रही। हालांकि वैश्विक सुधार जारी रहा, लेकिन इसकी गति मंद और क्षीण थी। विशेषकर वर्ष 2015 की अंतिम तिमाही में, उन्नत अर्थ व्यवस्थाओं वाले देश, जैसे जापान, अमेरिका, आदि में वैश्विक आंकड़े कुछ मंदतर गति दर्शाते हैं। वर्ष 2015 में अमेरिका ने 2.40% की वृद्धि दर्शायी जोकि वर्ष 2014 में भी थी। वर्ष 2015 के दौरान जापान की अर्थव्यवस्था ने 2014 की 0.0% से 0.5% की वृद्धि दर्शायी है। वर्ष 2014 और 2015 में उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में वृद्धि 1.9% के समस्तर पर ही बनी रही। यूरो क्षेत्र ने वर्ष 2014 के 0.9% वृद्धि की तुलना में वर्ष 2015 में 1.6% की वृद्धि के साथ सुधार के लक्षण दर्शाये हैं। उभरते बाजारों ने वर्ष 2014 की 4.0% विकास दर से वर्ष 2015 में 4.1% की विकास दर दर्शाते हुए कुछ सुधार दिखाया है। वर्ष के दौरान, शुद्ध पूंजी बहिर्गमन के कारण उभरते बाजार में मुद्राओं का अवमूल्यन हूआ है।